नवभारत

10 मिनट में इगतपुरी-कसारा घाट पार

देश की सबसे चौड़ी ट्वीन टयूब रोड टनेल तैयार

समय से पहले बनी समृद्धि पर सबसे लंबी सड़क सुरंग

आर्थिक राजधानी-उपराजधानी की राह होगी आसान

सूर्यप्रकाश मिश्र@नवभारत

मुंबई. मुंबई. देश की आर्थिक राजधानी को राज्य की उपराजधानी से जोड़ने वाले बहुउद्देश्यीय मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेस वे पर देश की सबसे चौड़ी एवं राज्य की सबसे लंबी ट्वीन टयूब रोड टनेल पूरी तरह बन कर तैयार हो गई है. नागपुर की तरफ से दो चरणों में शुरू हो चुके समृद्धि एक्सप्रेस वे के तीसरे चरण में पैकेज-14 के तहत ऍफ़कॉन कंपनी के माध्यम से नाशिक व ठाणे जिले की सीमा पर इगतपुरी के पास पिंपरी सद्रोद्दीन से वाशाला बुद्रुक तक बनाई गई इस अत्याधुनिक सुरंग का निर्माण कार्य लक्ष्य से तीन माह पहले ही कर एमएसआरडीसी को सौंप दिया गया है.

रिकॉर्ड समय में बनी ट्विन टनेल : मुंबई नाशिक महामार्ग पर इगतपुरी-कसारा घाट को पार करने में वाहनों को 20 से 25 मिनट लगते हैं, जबकि समृद्धि पर बनी इस सुरंग से मात्र 10 से 12 मिनट में दुर्गम घाट वाहनों से पार हो सकेंगे. ट्विन टनेल को रिकॉर्ड समय में बनाया गया है. यहां तक कि कोरोना काल में भी 2 हजार कामगारों व इंजीनियरों के साथ सुरंग काम काम जारी रहा.

टनेल के अंदर 26 क्रॉस पैसेज

यह अत्याधुनिक टनेल 100 साल की आयु के साथ 120 किमी प्रति घंटे से अधिक की वाहनों की गति सीमा के लिए डिजाइन किया गया है. यह दोहरी सुरंग बाएं ओर 7.78 किमी और दाईं ओर 7.74 किमी लंबी व 35 मीटर चौड़ी है. यह पहला टनेल है, जिसके अंदर 26 क्रॉस पैसेज बनाए गए हैं, ताकि आपातकालीन स्थिति में वाहन एक टनेल से दूसरी टनेल में आसानी से जा सकें. एफकॉन के प्रोजेक्ट मैनेजर शेखर दास के अनुसार इस अनोखी टनेल में पहली बार स्काडा कंट्रोल सिस्टम है, इसके तहत सुरंग में कभी लाइट नहीं जाएगी.

पहला एमरजेंसी एग्जिट टनेल

- हाई प्रेशर मिस्ट सिस्टम में 60 डिग्री के ऊपर अपने आप पानी का स्प्रिंकल शुरू हो जाएगा. लिकी केबल तकनीक से रेडियो कम्युनिकेशन, मोबाइल अन्य संचार माध्यमों का उपयोग होगा, ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम, ऑटोमेटिक सिस्टम, सीसी टीवी, पब्लिक अनाउंसमेंट, फायर एलार्म सिस्टम से सुसज्ज है.
- किसी भी आपातकालीन परिस्थितियों में टनेल से सुरक्षित निकलने के लिए 504 मीटर लंबा और 8.50 मीटर चौड़ी एमरजेंसी एग्जिट टनेल भी बनाई गई है जो वासाला गांव होते हुए मुंबई नाशिक हाइवे के रास्ते को जोड़ेगा, ऐसी सुविधा पहली बार किसी टनेल में दी गई है.

सुरंग के साथ 60 मीटर ऊंचा वायडक्ट ब्रिज

इस रोड टनेल के साथ वायाडक्ट ब्रिज बनाने का चुनौती पूर्ण कार्य किया गया है. एफकॉन्स कॉरपोरेट कम्युनिकेशन के हेड बिवाबसु कुमार ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के तहत देश की सबसे चौड़ी इस अनोखी सुरंग को बनाने का काम पूरी तरह भारत के इंजीनियरों ने ही किया है. सुरंग के बाद 1.2 किमी की लंबाई वाला वायडक्ट कैंटिलीवर कास्ट इन-सीटू ब्रिज है. इसकी ऊंचाई 60 मीटर (20 मंजिलों के बराबर) है. इस उच्चतम घाट ब्रिज को 35 पियर के साथ खड़ा किया गया. दोनों तरफ दुर्गम पहाड़ियों एवं गहरी खाई के बीच तेज हवा और भारी बारिश का सामना करते हुए घाटी में 60 मीटर ऊंचा यह ब्रिज भी समय सीमा के पहले तैयार किया गया है. कुमार ने कहा कि इतने दुर्गम इलाके में इस असंभव से लगने वाले काम को पूरा करने में एमएसआरडीसी के अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय लोगों का भरपूर सहयोग मिला है.

13 किमी के पैकेज में 8 किमी की सुरंग

समृद्धि पर पैकेज 14 के तहत लगभग 2750 करोड़ की लागत से बने 13.1 किमी के अत्यंत कठिन मार्ग पर लगभग 8 किमी लंबी ट्वीन टनेल के साथ 2 किमी लंबा 2 वायडक्ट ब्रिज भी बनाया गया है. 'न्यू ऑस्ट्रेलियन टनलिंग मेथड' का इस्तेमाल कर बनी जुड़वा सुरंगों में आधुनिक वेंटिलेशन, अग्निशमन और सुरक्षा प्रणाली से सुसज्ज है. अग्नि सुरक्षा के लिए भारत में किसी भी सुरंग में अब तक का पहला हाई-प्रेशर वाटर मिस्ट सिस्टम लगा है. एमएसआरडीसी के अनुसार पुरे समृद्धि एक्सप्रेस वे के रास्ते में बनने वाली 6 सुरंगों में से यह सुरंग सबसे लंबी और चौड़ी है.

-शेखर दास, एफकॉन इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट मैनेजर